

कार्यालय : क्षेत्र पंचायत-भनवापुर

जनपद- सिद्धार्थनगर

फ़र्मांक : 1521 /2– लेख्वा/पंजीयन सूचनल/2026–2027 दलनॉक : 01–07–2026

ठेकेदारी पंजीयन/नवीनीकरण सड्बन्धी अल्यकाललक सूचना

सर्व साधारण ँव क्षेत्र पंचायत भनवापुर सिद्धार्थनगर के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता हैं कि क्षेत्र पंचायत भनवापुर सिद्धार्थनगर द्वारा कराये जाने वाले नये निर्माण कार्यों, मरम्मत कार्यों ँव अन्य प्रकार के कार्यों के सड्पादन हेतु वित्तीय वर्ष 2026–2027 की अवधि के लिए क्षेत्र पंचायत के नये ठेकेदार के पंजीयन ँव नवीनीकरण हेतु उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत ँव जिला पंचायत निर्माण कार्य नियमावली 1984 में दी गयी व्यवस्था नियम शर्तों ँव प्रतिबन्धों के अधीन प्रकाशन की तिथि से दिनोंक 07.07.2026 तक आवेदन पत्र आगन्त्रित किये जाते हैं।

इच्छुक व्यक्ति / ठेकेदार अपना आवेदन पत्र वान्छित अभिलेखों के साथ दिनोंक 01.07.2020 से दिनोंक 07.07. 2026 समय 12.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। श्रेणीवार पंजीयन हेतु सामान्य जमानत राशि हैसियत प्रमाण पत्र प्रस्तर 01 के अनुसार जमा करना होगा। क्षेत्र पंचायत भनवापुर सिद्धार्थनगर में पंजीयन / नवीनीकरण कराने हेतु प्रस्तर 02 में दिये गये प्रमाण पत्र / अभिलेख क्षेत्र पंचायत भनवापुर सिद्धार्थनगर के निर्धारित प्रारूप पर आवेदन के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य होगा। श्रेणीवार पंजीयन सड्बन्धी विवरण निम्नवत है:–

कार्य का नाम	सामान्य जमानत	हैसियत	पंजीयन शुक्ल	निर्माण कार्य कराने की सीमा
ए(प्रथम श्रेणी)	100000.00	3000000.00	10000.00	कोई सीमा नही
बी(द्वितीय श्रेणी)	75000.00	2000000.00	10000.00	10 लाख
सी(तृतीय श्रेणी)	50000.00	1000000.00	10000.00	05 लाख

प्रस्तर 02

01.

जिलाधिकारी महोदय, द्वारा निर्गत अद्यतन चरित्र प्रमाण पत्र ँव हैसियत प्रमाण–पत्र आवेदन के साथ जना करना अनिवार्य होगा ।

02.

पंजीयन हेतु राज्य सरकार के किसी भी निर्माण विभाग द्वारा विगत वर्षों में कराये गये निर्माण कार्य कराने का अनुभव प्रमाण पत्र मूल रूप में जमा करना होगा।

03.

आयकर का अदेता प्रमाण पत्र वर्ष / पैन कार्ड की छायाप्रति स्वप्रमाणित।

04.

जी०एस०टी० ँन० की की छायाप्रति स्वप्रमाणित।

05.

02 फोटो ग्राफ ँव आधार कार्ड की छायाप्रति स्वप्रमाणित।

06.

सामान्य जमानत राशि का ँन०ँस०सी० / ँस०डी०ँआर० खण्ड विकास अधिकारी भनवापुर के पक्ष में बन्धक कराकर जमा करना होगा तथा पंजीयन / नवीनीकरण शुल्क की धनराशि बैल ड्रापट / पैकर्स चेक अथवा क्षेत्र निधि खाता सं० 11694541721, आई० ँफ०ँस०सी० कोड SBIN0003535- भारतीय स्टेट बैंक शाखा भनवापुर में जमा कर रसीद उपलब्ध कराना होगा।

07.

जिला पंचायत सेवा नियमावली 1970 के अधिनियम 54 के प्राविधानानुसार क्षेत्र पंचायत भनयापुर सिद्धार्थनगर के किसी भी अधिकारी / कर्मचारी / मा० प्रमुख / क्षेत्र पंचायत के निकट सड्बन्धी पजीयन के लिए पात्र नहीं होंगे।

08.

प्रत्येक आवेदन के साथ स्वघोषणा पत्र देना अनिवार्य होगा। यह शपथ पत्र मु० 100.00 रूपया के स्टाम्प पर नोटरी द्वारा सत्यापित कराकर देना होगा। जिसका प्रारूप क्षेत्र पंचायत भनवापुर सिद्धार्थ नगर से प्राप्त करना होगा।

09.

राज्य बार काउन्सिल में पंजीकृत अधिवक्ता आवेदन के लिए पात्र नहीं होंगे।

10.

अन्य विभागो ने पंजीकृत ठेकेदार विकास खण्ड स्तर पर पंजीयन में भाग ले सकते हैं।

11.

किसी निर्माण विभाग में ब्लैक लिस्ट व माफिया गतिविधियों में संलिप्त व्यक्ति / फर्म / ठेकेदार का आवेदन स्वीकार नही किया जायेगा।

12.

विवाद की दशा में खण्ड विकास अधिकारी भनवापुर सिद्धार्थनगर का निर्णय अन्तिम होगा।

13.

उपरोक्त प्रस्तर में उल्लिखत अभिलेखों के साथ जिन ठेकेदारों को अई पाया जायेगा, तो उन ठेकेदारों को नियमानुसार प्रमाण पत्र जारी किंसा जायेगा।

14.

अन्य आवश्यक जानकारी खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय पर किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

खण्ड विकास अधिकारी

भनवापुर , सिद्धार्थनगर

प्रमुख क्षेत्र पंचायत

भनवापुर , सिद्धार्थनगर

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में 15 दिन से फरार

आरोपी गिरफ्तार , न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। आरोपी मुकदमा दर्ज होने के बाद पिछले 15 दिनों से फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र के कठौतिया पांडेय गांव निवासी कृष्णा उर्फ किशन यादव के खिलाफ नाबालिग से दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया गया था। पीड़िता पक्ष की तहरीर पर त्रिलोकपुर थाने में संबंधित धाराओं के तहत ँफआईआर दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार हो गया था। उसकी तलाश में पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। बुधवार को प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय के निर्देशन में उपनिरीक्षक शिव नारायण सिंह ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को थाने लाकर आवश्यक पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शिव नारायण सिंह, हेड कांस्टेबल धनंजय दूबे ँव महिला कांस्टेबल इंद्रा तिवारी शामिल रहीं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है और जांच में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रवाद की चेतना के प्रेरणास्रोत थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : सुभाष यदुवंश

संतकबीरनगर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर मंगलवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नीतू सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश महामंत्री ँव एमएलसी सुभाष यदुवंश उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय ँव डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद जिलाध्यक्ष नीतू सिंह ने मुख्य अतिथि का अंगवस्त्र ँव पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। अपने संबोधन में मुख्य

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार आज भी राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत– अष्टभुजा शुक्ला

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 150वीं जयंती स्मृति वर्ष के अंतर्गत आयोजित संस्मरण पखवाड़ा के तहत दुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के अग्रहरि मेर्रेज हॉल में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ला रहे। सम्मेलन में जिले भर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ँव डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित ँव दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर लोकतंत्र रक्षक सेनानियों तथा संगठन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मंडल अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अष्टभुजा शुक्ला ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत की एकता और अखंडता के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं और संगठन को मजबूत करें। जिलाध्यक्ष दीपक मोर्य ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के आदर्श भाजपा की वैचारिक शक्ति हैं। विधायक राजा जय प्रताप सिंह ने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया, जबकि विधायक श्यामधनी राही ने डॉ. मुखर्जी के विचारों को युवाओं के लिए प्रेरणादायी बताया। पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने उनके राष्ट्रसेवा और त्यागपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष रामकुमार कुंवर, नरेंद्र मणि त्रिपाठी, लालजी त्रिपाठी, शिवनाथ चौधरी, गोविंद माधव, कन्हैया पासवान सहित जिले के जनप्रतिनिधि, जिला ँव मंडल पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री फतेहबहादुर सिंह ने किया।

सिद्धार्थनगर में आज से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू, 31 जुलाई तक चलेगा अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शासन के निर्देशानुसार जनपद सिद्धार्थनगर में 1 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक दस्तक अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, दिमागी बुखार, कालाजार, फाइलेरिया, क्षय रोग सहित अन्य संचारी रोगों की रोकथाम ँव प्रभावी नियंत्रण करना है। अभियान प्रदेश के सभी जनपदों में ँक साथ शुरू किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ पंचायती राज, ग्राम्य विकास, नगर विकास, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, बाल विकास ँव पुष्टाहार, पशुपालन, कृषि, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, सूचना विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी विभाग अपने-अपने उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्रों दायित्वों का निर्वहन करते हुए से जोड़ा जाएगा। मच्छरों के संचारी रोगों की रोकथाम के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने, लिए व्यापक जनजागरुकता जलभराव खत्म कराने, अभियान चलाएं। अभियान के साफ–सफाई, ँटी लार्वा दौरान आशा, ँएनँएम ँव छिड्काव और फॉगिंग पर विशेष आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर–घर जोर दिया जाएगा। दस्तक जाकर बुखार से पीड़ित मरीजों अभियान के अंतर्गत 11 जुलाई की पहचान करेंगी। साथ ही से 31 जुलाई तक आशा आईँएलआई, टीबी, कुष्ठ, कार्यकर्ता घर–घर जाकर फाइलेरिया, कालाजार, कुपोषित लोगों को संचारी रोगों से बचाव बच्चों ँव अन्य संभावित रोगियों के उपायों के प्रति जागरुक का सर्वे कर आवश्यकतानुसार करेंगी। साथ ही ओँआरँएस ँव जिक का वितरण, बुखार के मरीजों की पहचान तथा जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने का कार्य भी किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने जनपदवासियों से ँपील की है कि ँपने घर ँव आसपास साफ–सफाई रखें, जलभराव न होने दें, मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाएं तथा बुखार या अन्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें।

ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप कार्यक्रम का समापन विधि छात्रों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा संचालित ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप कार्यक्रम–2026 का समापन बुधवार को हुआ। ँक माह तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन पर सिद्धार्थ लॉ कॉलेज, मसिना के 31 विधि करते हुए कहा कि कानून की छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र पढ़ाई समयबद्ध और गंभीरता से करें तथा निरंतर अध्ययन आयोजन माननीय जनपद ँव विधिक शोध (लीगल रिसर्च) न्यायाधीश ँव अध्यक्ष, जिला पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने विधिक सेवा प्राधिकरण अजय न्यायशास्त्र के महत्व पर भी कुमार श्रीवास्तव–तृतीय के प्रकाश डालते हुए छात्रों को निर्देशानुसार किया गया। इस ँपने ज्ञान और कौशल का अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त निरंतर विकास करने के लिए कर रहे विधि छात्रों को संबोधित प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षु छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनुभव कटियार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शैलेन्द्र नाथ, चीफ लीगल डिफेंस काउंसिल अश्वनी कुमार मिश्र सहित सिद्धार्थ लॉ कॉलेज, मसिना के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।



मुखर्जी का व्यक्तित्व, कृतित्व और राष्ट्रवादी चिंतन आज भी प्रत्येक कार्यकर्ता को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता है। सम्मेलन को पूर्व जिलाध्यक्ष शेतमान राय ँव भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेन्द्र मिश्र ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, विचारों और संगठन निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन विनोद पांडेय ने किया। इस अवसर पर अरविंद जायसवाल, भूपेंद्र सिंह, अमर राय, अनिरुद्ध निषाद, गणेश पांडेय, ज्ञानेंद्र मिश्र, भूपेंद्र तिवारी, अर्जन चौधरी, हेप्पी कन्हैया वर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी ँव कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उग्रसेन सिंह के नेतृत्व में चिल्हिया और परसा बुजुर्ग में सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव का जन्मदिन मना , हुआ विशाल वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश



शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। अध्यक्ष अखिलेश यादव का 302—शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र जन्मदिन हर्षोल्लास और सादरी



के समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी उग्रसेन सिंह के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय

के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर केक काटा गया तथा बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण



संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दिनेश नगर (चिल्हिया) स्थित “दिनेश सिद्धार्थ इंटर कॉलेज” में हुई, जहां उग्रसेन सिंह ने स्कूली बच्चों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया। उन्होंने बच्चों को मिठाई वितरित की और विद्यालय परिसर में उनके साथ मिलकर पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव युवाओं और नौनिहालों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य करने वाले नेता हैं। उनका जन्मदिन केवल उत्सव नहीं,

बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लेने का अवसर भी है। इसके बाद ग्राम “परसा बुजुर्ग” में विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां उग्रसेन सिंह ने ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सैकड़ों फलदार एवं छायादार पौधे लगाए। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर अखिलेश यादव के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने श्पीडीएश (पिछड़ा, दलित और



अल्पसंख्यक) के मिशन को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, विधानसभा अध्यक्ष हरिनारायण यादव, जिला सचिव जगदीश प्रसाद, जिला सचिव रामू जी, गुड्डू जी, डब्लू जी, प्रभु शंकर, खजांची, बाबूलाल, असगर अली, राधिका, दशरथ, राजेश कुमार, ब्रजमति, दिलीप कुमार कनौजिया, परणपति, सुखराजी, बिमला देवी, हरिसाम यादव, बिंदा प्रसाद, ज्वाला राव, कृष्णमोहन, रामपाल, रेखा, राजन गुप्ता, कल्लू, घिसाई प्रसाद, लालिमा, चंद्रभान, सावित्री, अमरावती, कुलदीप मोर्य, राममिलन सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्रीष्मावकाश के बाद विद्यालय में लौटी रौनक, विद्यार्थियों का हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश



बड़पुर/सिद्धार्थनगर। ग्रीष्मावकाश के उपरांत आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय, बड़पुर में बुधवार, 01 जुलाई 2026 को नवीन शैक्षणिक सत्र 2026—27 का शुभारंभ उत्साह एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। विद्यालय खुलते ही बच्चों के चेहरे पर नई ऊर्जा, उत्साह और उमंग देखने को मिली। विद्यालय परिसर विद्यार्थियों की चहल-पहल से पुनः गुलजार हो उठा। विद्यालय के प्रथम दिवस सभी विद्यार्थियों का प्रथम दिवस सभी विद्यार्थियों का

गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मौ सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त कर नए सत्र की शुरुआत की। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक राजकुमारी पाण्डेय ने सभी विद्यार्थियों को नवीन शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और व्यक्तित्व निर्माण की

आधारशिला है। विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाकर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। विद्यालय के संचालक नितेश पाण्डेय ने सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नया शैक्षणिक सत्र नई आशाओं, नए संकल्पों और नई उपलब्धियों का अवसर लेकर आया है। विद्यालय परिवार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित उपस्थिति, समयपालन एवं मन लगाकर अध्ययन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रथम दिवस का यह स्वागत समारोह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी एवं स्मरणीय रहा। इस दौरान विद्यालय के संचालक नितेश पाण्डेय, शोभनाथ यादव उमेश यादव संतोष यादव संदीप राव राममिलन शुक्ला रुचि उपाध्याय श्वेता पटवा शीता जायसवाल पवन पाठक अनू जायसवाल संगीता मोर्य विनय कुमार वर्मा अरुण कुमार राकेश कुमार अमित कुमार चंद्रावती देवी आदि ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

37 वर्षों की सेवाओं के बाद सेवानिवृत्त हुए कर्मचारी राजेंद्र प्रसाद, पशुपालन विभाग ने दी भावभीनी विदाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजेंद्र प्रसाद की विदाई एवं समान समारोह आयोजित कर इतिहास रचने का कार्य किया है। पशुपालन विभाग सिद्धार्थ नगर में पशु चिकित्सालय नौगढ़ सदर पर तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजेंद्र प्रसाद के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भव्य एवं ऐतिहासिक रूप से विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित कर राजेंद्र प्रसाद को सकुशल विदा किया। जनपद के सोहस खास गांव के निवासी राजेंद्र प्रसाद पशुपालन विभाग में 1985 में रामनगर बाराबंकी में पदस्थ हुए थे। 1996 में जनपद सिद्धार्थनगर में स्थानांतरित होकर विकासखंड जोगिया के पशु अस्पताल देवरा बाजार में पदस्थ हुए। वहां पर पूरी ईमानदारी तन्मयता और

कर्मठता के साथ राजेंद्र प्रसाद ने विभाग में सेवा दी और वहां क्षेत्र की जनता का दिल जीत लिया। पुनः राजेंद्र प्रसाद का

निष्ठा की पशुपालन विभाग में चर्चा का विषय है। पशु चिकित्सालय नौगढ़ सदर पर तैनात राजेंद्र प्रसाद के सकुशल



स्थानांतरण जनपद में ही विकासखंड नौगढ़ के पशु चिकित्सालय पर 1996 में हुआ। तब से लेकर और 30 जून 2026 तक राजेंद्र प्रसाद ने पूरे निष्ठा ईमानदारी और कर्मठता के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। राजेंद्र प्रसाद की ईमानदारी, कर्मठता, सरलता और कर्तव्य

सेवा निवृत्त होने के बाद अस्पताल के प्रांगण में पूरे धूमधाम के साथ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजेंद्र प्रसाद के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ गणेश प्रसाद तथा कार्यक्रम का संचालन पशुधन प्रसार अधिकारी अरुण कुमार प्रजापति

ने किया। उक्त कार्यक्रम में जनपद के सभी विकासखंडों से आए हुए अधिकारियों कर्मचारियों ने राजेंद्र प्रसाद को अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह, छडी, छाता, सूटकेस, बैग और यथासंभव पारितोषिक देकर भी सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन वेटरनरी फार्मासिस्ट रवि कुमार और उमेश पाण्डेय ने किया। विदाई समारोह समारोह कार्यक्रम में डिप्टी सीवीओ नवगढ़ सदर डॉक्टर राज बहादुर यादव, डिप्टी सीवीओ पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर देवेंद्र कुमार, डॉ पवन मिश्रा, पशुधन प्रसार अधिकारी रमेश चंद, देवेंद्र प्रताप, वेटरनरी फार्मासिस्ट उदय प्रताप सिंह, जीतेन्द्र श्रीवास्तव, अनिल कुमार, श्रेयांश मोर्य, रामदेव पप्पू विजय मिश्रा, विशाल दुबे सहित नौगढ़ तहसील के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉक्टर्स डे पर लगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर , 105 मरीजों की हुई जांच

दैनिक बुद्ध का संदेश



बांसी। डाक्टर्स डे के अवसर पर बुधवार को कस्बे के अकबरनगर मोहल्ले में पत्रकार मो इरफान बाकर व सभासद शमा आरा के आवास पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ सेवानिवृत्त प्रवक्ता एम एम खान ने फीता काटकर किया। इसके बाद डाक्टर एम डी जावेद ने लोगों को स्वस्थ और सुरक्षित रहने का टिप्स दिया। साथ ही खान पान और साफसफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा।

तत्पश्चात डा एम डी जावेद ने लोगों के स्वास्थ्य की और डा अरशद ने आंख की जांच कर निःशुल्क दवा दिया। इस दौरान लोगों के ब्लड प्रेशर, शुगर आदि की भी जांच किया गया। शिविर में मो मुस्तफा खान, नसीरन, अतहरुनिसा, चांद मून, अब्दुल रज्जाक सहित कुल 105 मरीजों के स्वास्थ्य की जांचकर दवा दिया गया। इस अवसर पर इरफान सिद्दीकी, आलम शेख, अब्दुरहमान खान, जुमाई, फरहान खान आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित दौरे की तैयारियां तेज, कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण



दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित कपिलवस्तु दौरे को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। गुरुवार को कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा—निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, मंच निर्माण, पार्किंग, यातायात, पेयजल, स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति समेत अन्य तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सफल एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इस दौरान जिलाधिकारी शिवशरणपा जी, सांसद प्रतिनिधि रिकू पाल, उपजिलाधिकारी राहुल सिंह, क्षेत्राधिकारी विश्वजीत, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता कमल किशोर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कपिलवस्तु आगमन क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है और कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने के लिए सभी लोग पूरी निष्ठा के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के 53वें जन्मदिन पर 53 पौधों का रोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/शोहरतगढ़। परिसर में 53 पौधों का रोपण सिद्धार्थनगर समाजवादी पार्टी कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व दिया गया। कार्यक्रम का



मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 53वें जन्मदिन के अवसर पर बढ़नी ब्लॉक के करुवा स्थित समाजवादी सरकार में निर्मित राजकीय इंटर कॉलेज, करुवा

आयोजन समाजवादी शिक्षक सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेंद्र मिश्रा ने किया। मिश्रा ने कहा तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने सिद्धार्थनगर

में विकास के अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जिनमें शोहरतगढ़ विधानसभा में राजकीय इंटर कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय है। नेपाल सीमा के समीप इस कॉलेज से बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलती लेकिन मौजूदा सरकार में यह उपेक्षा का शिकार है। कॉलेज तक पहुंचने का मार्ग जर्जर है। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिवस को सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों

से जोड़ते हुए 53 पौधों का रोपण किया गया है। जिनमें अमलतास, गुलमोहर, आम, अमरुद, अशोक, सीसम सहित अन्य पौधे शामिल हैं। कार्यक्रम में सर्वश्री शकील शाह जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक, जावेद खान प्रदेश सचिव, सेक्टर प्रभारी हरिनाथ यादव, मसूद आलम, मुजम्मिल खान, पूर्व नगर पंचायत प्रत्याशी गोपाल फौजी, सेक्टर प्रभारी मकबूल, प्रदेश सचिव अनुज चौधरी, राष्ट्रीय सचिव छात्र सभा अनुल शुक्ला एवं अजय चौरसिया, नीबूलाल अग्रहरि, फैजान, शादाब, इरशाद, संजय यादव, मकबूल, नूर मोहम्मद, अभिनव, मन्नान, गोपाल मिश्रा, दिनेश चौधरी, सहित सैकड़ों महिलाएं एवं ग्रामीण आदि उपस्थित रहे।

देश में चुनाव की दृष्टि से स्थानीय निकायोंको खूब पढ़ जा रहा है। भाजपा के अपने दावे और सत्ता के आंकड़े अपनी–अपनी कहानी बयां करते हैं, फिर भी नागरिक समाज की शंकाएं परिवेश की चुनौतियों से संलिप्त हैं। एक पर्यटक सीजन जिस गांव और शहर से गुजरता है, वहां हजारों फफोले उभर आते हैं। कुल्लू घाटी में जून महीने में अगर तीन लाख गाडियां सड़कों पर उतर

पालमपुर और मंडी का नेतृत्व दो महिलाएं करेंगी

पालमपुर और मंडी का नेतृत्व दो महिलाएं करेंगी, यह स्पष्ट हो गया। कांग्रेस अपने सेफ जोन की तहरीर में पालमपुर का दिल जीत गई और भाजपा ने मंडी की तश्तरी पर अपना नाम लिख दिया। जाहिर है धर्मशाला और सोलन की यादों में सियासत बाकी है या कौन कैसे निपट जाए, यह शगल अभी बाकी है। दोनों ही निगमों में कांग्रेस का पलटवार पूरे चुनाव को सरका गया, तो मुहिम के पिंजरे कभी भी बंद हो सकते हैं। आशंकाओं के खेल में दरियाओं में बाढ़ का अंदेशा है और अगर चुनाव की वैधता में कुछ चेहरे अपात्र हो जाएं, तो शिकवे शिकायत में बदल जाएंगे। खैर पहली जुलाई अगर धर्मशाला के महापौर का नसीब देखेगी, तो दो जुलाई के शगुन में सोलन के सियासी तलवे सामने आएंगे। जाहिर है स्थानीय निकाय चुनावों के दलीय आधार पर भी खिचड़ी में नमक हलाली का हिसाब बाकी है। आंकड़े अगर स्पष्ट मान लिए जाते, तो धर्मशाला–सोलन में भाजपा का जोर–शोर में बदल जाता, मगर अभी घूँघट उठना बाकी है। जो भी हो, शहरी परिकल्पना के ताज में जिरह हैं, उम्मीदें हैं, तेरी–मेरी हिफाजत की कीलें हैं। सवाल यह भी है कि नगर निगम शहरी दृष्टि में कितना बदलाव लाते हैं। पालमपुर, मंडी, धर्मशाला या सोलन, अपने हालात से इतने घायल तो हैं कि ये सिसकियां सुनी जाएं। पालमपुर से बिना ट्रैफिक जाम के गुजरना अगर एक सपना है, तो हकीकत में सोलन की सड़कों पर सारा कारवां बिखरता है। यह बाद की बात है कि किस पद पर कौनसी पार्टी को तिलक लगता है, मगर हकीकत यह है कि अभी कोरम में बैठना आया नहीं। बजट का संगीत सुना नहीं गया और वित्तीय संसाधन पैदा नहीं हुए। राजनीतिक चरित्र अगर राज्य की आंखों से आंखें नहीं मिला सकता, तो निगमों के व्यक्तित्व में दूर तक देखने की आंख भी नहीं मिली।

पालमपुर में बेहद छोटी नगर परिषद अगर निगम की सीमा में बड़ी हो भी गई, तो शहर का बजट आएगा कहां से। अभी मर्जड और नए इलाकों के खेल में शिमला के बाद दूसरे पुराने व बड़े धर्मशाला नगर निगम ही अगर नागरिकों को कर अदायगी नहीं सिखा सका, तो आने वाले समय में बंदी, हमीरपुर और ऊना के प्रस्तावित निगम किस खेत की मूली बनेंगे। शहरी मानसिकता अगर प्रसार है तो हिमाचल के गांव भी समाहित हैं, लेकिन अनुशासन की प्रस्तावना और नियोजित व्यवस्था में आने की दरकार को दरकिनार किया जा रहा है।

प्रदेश में चुनाव की दृष्टि से स्थानीय निकायों को खूब पढ़ा जा रहा है। भाजपा के अपने दावे और सत्ता के आंकड़े अपनी–अपनी कहानी बयां करते हैं, फिर भी नागरिक समाज की शंकाएं परिवेश की चुनौतियों से संलिप्त हैं। एक पर्यटक सीजन जिस गांव और शहर से गुजरता है, वहां हजारों फफोले उभर आते हैं। कुल्लू घाटी में जून महीने में अगर तीन लाख गाडियां सड़कों पर उतर आती हैं, तो पाकिंग का असंतोष कैसे खत्म होगा। शिमला ने पर्यटक सीजन में 18.5 लाख वाहन आमंत्रित कर लिए, तो नगर की व्यवस्था कर पाने के लिए निगम के बाजू सशक्त करने होंगे। आश्चर्य यह कि नगर निगम के सवालों पर हमारे पाषाणों की शपथ के मायने वही राजनीतिक रहते हैं या विकास की निरंतरता में कुछ तो अराजनीतिक होगा। बहरहाल मेयर–डिप्टी मेयर होने की गिनती में राजनीति ही भारी है, तो हम न तो अच्छे शहर बसा पाएंगे और न ही शहरी समाज को अच्छा बना पाएंगे। हिमाचल में आठ नगर निगम बन चुके हैं, जबकि यह संख्या बढ़ेगी, लेकिन शहरी हवाओं में बदलाव लाने की जिद्द कहीं दिखाई नहीं देती।

तकनीक का शिकंजा: डिजिटल साद्यों से अपराधियों पर कसती नकेल

साक्ष्यों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने हेतु बलश्वकचेन जैसी तकनीक का उपयोग करना चाहिए और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत सीसीटीवी नेटवर्क को और अधिक सुदृढ़ करना होगा। नागरिक जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ–साथ निजी डेटा सुरक्षा और जांच के बीच एक सटीक संतुलन बनाना होगा, ताकि तकनीक का उपयोग अपराध को सुलझाने में एक मजबूत और पारदर्शी हथियार के रूप में किया जा...

क्राइम थ्रिलर फिल्मों में अक्सर हम देखते थे कि अपराधी बड़ी चतुराई से सबूत मिटा देता था और अंत में 'परफेक्ट मर्डर' की गुथी अनसुलझी रह जाती थी। तब पुलिस की सफलता उंगलियों के निशानों और चश्मदीद गवाहों पर टिकी होती थी। लेकिन आज,हर इंसान चलते–फिरते एक 'डिजिटल डेटा बैंक' बन चुका है। डिजिटल युग में 'परफेक्ट मर्डर' की धारणा अब एक मिथक मात्र है, क्योंकि तकनीकी साक्ष्य मानवीय गवाहों से अधिक विश्वसनीय साबित हुए हैं। केतन मर्डर केस और श्रद्धा वालकर हत्याकांड जैसे हालिया हाई–प्रोफाइल मामलों ने यह सिद्ध कर दिया है कि अपराधी चाहे कितने भी भौतिक सबूत मिटा ले, उसका 'डिजिटल फुटप्रिंट' – जैसे कि कॉल डिटेल रिकॉर्ड , टावर लोकेशन, गूगल मैप्स हिस्ट्री और इंटरनेट सर्च क्वेरी – झूठ नहीं बोलते। यह 'डेटा ट्रैकिंग' न केवल अभियुक्तों के 'अलबाई' (घटनास्थल पर न होने का दावा) को खारिज करती है, बल्कि अपराध के इरादे और उसकी कड़ियों को जोड़ने में निर्णायक भूमिका निभाती है। आधुनिक न्यायिक प्रक्रिया में तकनीक ने अपराध जांच की दिशा पूरी तरह बदल दी है, जहां 'डेटा ही सबसे बड़ा गवाह' बन गया है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 (धारा 61 और 63) ने जांच की परिभाषा को पूरी तरह बदल दिया है। अब हत्या जैसे अपराधों की जांच केवल पोस्टमॉर्टम तक सीमित

नहीं है, बल्कि डिजिटल साक्ष्य पर केंद्रित हो गई है। आज अपराधी चाहे कितनी भी चतुराई करे, वह अपने पीछे डेटा का एक ऐसा जाल



छोड़ जाता है – जैसे कि मोबाइल लोकेशन, गूगल मैप्स, इंटरनेट सर्च हिस्ट्री, स्मार्ट वॉच का डेटा, क्लाउडएप चैट्स, वाई–फाई सिग्नल, सीसीटीवी फुटेज और होम डिवाइस की वॉयस रिकॉडिंग, या ई–चालान में कैद कार की नंबर प्लेट – जो उसकी अपराध में सलिप्तता साबित करने के लिए पर्याप्त है। वर्तमान कानून के तहत, इन डिजिटल साक्ष्यों को अदालत में 'प्राथमिक साक्ष्य' के रूप में पूर्ण मान्यता प्राप्त है। भारतीय न्याय प्रणाली में डिजिटल साक्ष्यों की स्वीकार्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अनवर पी.वी. (2014) और अर्जुन पंडितराव खोतकर (2020) जैसे ऐतिहासिक फैसलों के माध्यम से स्पष्ट किया

है कि इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स की प्रमाणिकता हेतु धारा 65 बी के तहत प्रमाण पत्र अनिवार्य है। ये दोनों ही मामले 'इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की ग्राह्यता' से संबंधित हैं। भारतीय कानून ने तकनीक के युग में साक्ष्यों की सत्यता सुनिश्चित कर न्याय को सुदृढ़ तो किया है, लेकिन इसने निजता के अधिकार के समक्ष भी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। के.एस. पुट्रास्वामी (2017) का फैसला हमें आगाह करता है कि सुरक्षा के नाम पर राज्य की डिजिटल निगरानी असीमित नहीं हो सकती। कानून निर्माताओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती 'डिजिटल फॉरेंसिक' के नाम पर नागरिकों की निजता और सुरक्षा के बीच एक सटीक संतुलन बनाए रखना है। आजकल अपराध और जांच का स्वरूप पूरी तरह डिजिटल हो गया है। अपराधी 'परफेक्ट मर्डर' के लिए सबूत मिटाने हेतु डेटा हैक या डिलीट करने का सहारा लेते हैं। हालांकि, वे यह भूल जाते हैं कि डिजिटल दुनिया में 'डिलीट' किया गया डेटा कभी पूरी तरह खत्म नहीं होता। 'डिजिटल फॉरेंसिक' और 'रिकवरी टूल्स' के जरिए पुलिस क्लाउड बैकअप, सर्वर लॉग्स और डिलीट की गई फाइलों को आसानी से पुनः प्राप्त कर सकती है। डिजिटल सर्वर पर हर गतिविधि का कोई न कोई प्रमाण हमेशा मौजूद रहता है। दरअसल, जैसे–जैसे कानून सख्त हो रहा है, अपराधी 'आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस' और 'डार्क वेब' का इस्तेमाल करके खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। जहां पुलिस डिजिटल साक्ष्य के सहारे आगे बढ़ रही है, वहीं अपराधी डिजिटल साक्ष्य को 'मैनीपुलेट' या 'फेक डिजिटल फुटप्रिंट' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह साइबर–क्राइम और फॉरेंसिक का एक नया युद्ध है। आज अपराधों को रोकने के लिए व्यवस्था को 'डिजिटल–रेडी' बनाना अनिवार्य है। सबसे पहले पुलिस बल का आधुनिकीकरण करते हुए हर स्तर पर अत्याधुनिक साइबर–फॉरेंसिक लेब और विशेषज्ञों की एक बड़ी टीम तैयार करनी होगी। साथ ही, जजों और वकीलों को तकनीकी साक्ष्यों की बारीकियां समझने के लिए नियमित प्रशिक्षण देना जरूरी है।

साक्ष्यों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने हेतु ब्लॉकचेन जैसी तकनीक का उपयोग करना चाहिए और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत सीसीटीवी नेटवर्क को और अधिक सुदृढ़ करना होगा। नागरिक जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ–साथ निजी डेटा सुरक्षा और जांच के बीच एक सटीक संतुलन बनाना होगा, ताकि तकनीक का उपयोग अपराध को सुलझाने में एक मजबूत और पारदर्शी हथियार के रूप में किया जा सके। आज अपराधी चाहे जितनी चालाकी से सबूत मिटा ले, वह डिजिटल दुनिया में कोई न कोई ऐसी भूल कर देता है जो उसे सलाखों के पीछे पहुंचा देती है।

वह रूपरेखा दो आधारों पर टिकी हो। पहला, जन्म का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन (जिसे 1969 के कानून से अनिवार्य किया गया था) यह भविष्य के नागरिकता रिकॉर्ड का आधार बनना चाहिए। इसके लिए मैं दोहरे तरीके का सुझाव देता हूं: एक, जिन लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र है 9और ऐसे लगभग 80 करोड़ लोग हैं यानि 65–70 फीसदी0,उन्हें सीधे–सीधे नागरिकता कार्ड दिया जा...

विदेश मंत्रालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज है, न कि नागरिकता का पक्का सबूत। स्वतः संज्ञान वाले इस बयान ने एक पुरानी अहम बहस को फिर जिंदा कर दियाकू क्या भारत को नागरिकता के प्रमाण लिए किसी एक, पक्के सबूत की जरूरत है? लोगों की प्रतिक्रिया हैरानी भरी थी। यदि पासपोर्ट भी पक्का सबूत नहीं, तो फिर क्या है? क्या आधार नागरिकता का सबूत है? क्या वोटर आईडी कार्ड है? क्या कोई ऐसा दस्तावेज है जो इस सवाल को हमेशा के लिए सुलझा दे? सीधा जवाब है– नहीं। भारत में कभी भी नागरिकता का कोई एक, सर्वमान्य दस्तावेज नहीं रहा। उलझन इसलिए पैदा होती है कि हम तीन अलग–अलग अवधारणाओं, पहचान, निवास और नागरिकता, को एक ही मान लेते हैं। वे आपस में जुड़ी हैं, लेकिन एक जैसी नहीं। आधार कार्ड पहचान व निवास की पुष्टि करता है। पासपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में सहायक है। वोटर आईडी कार्ड वोट देने की पात्रता बनाता है। इनमेंकोई भी सभी उद्देश्यों के लिए नागरिकता का कानूनी व पक्का सबूत नहीं, हालांकि

आखिरी दो केवल नागरिकों को ही जारी किए जाते हैं। भारत में नागरिकता र्नागरिकता अधिनियम, 1955ए के मुताबिक तय होती है और यह जन्म, वंशावली, पंजीकरण या देशीयकरण(तय न्यूनतम अवधि तक निवास) के जरिए मिलती है। व्यावहारिक तौर पर, इसे किसी एक पक्के प्रमाण–पत्र की बजाय कई रिकॉर्ड्स का मिलान कर स्थापित किया जाता है। अनेक देश नागरिकों का रजिस्टर रखते हैं या नागरिकता पहचान पत्र जारी करते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव के पास ऐसे कार्ड हैं। अधिकांश यूरोपीय देशों में भी ऐसा है। दूसरी तरफ अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देश हैं, वहां मामला जन्म रिकॉर्ड, पासपोर्ट और अन्य आिाकारिक दस्तावेजों पर निर्भर है। भारत बाद वाले देशों जैसा है रू हमारे पास कई पहचान प्रणालियां हैं, लेकिन नागरिकता का कोई एक सर्वमान्य सबूत नहीं। आधार कार्ड का अनुभव



सीखने लायक है। साल 2009 में शुरू किए गए आधार कार्ड को निवासियों की विशिष्ट पहचान के साधन के तौर पर डिजाइन किया गया था, ताकि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बेहतर ढंग से पहुंचाया जा सके और दोहरापन खत्म हो। इसे जानबूझकर नागरिकता से अलग रखा गया था, नहीं पता क्यों। इसका नामांकन निवास के आधार पर किया गया था, न कि राष्ट्रीयता के। नतीजतन, आधार कार्ड कभी भी नागरिकता का सबूत नहीं रहा। मुझे लगता है, यह एक चूक थी। इसे दोहरे उद्देश्य वाले दस्तावेज के तौर पर बनाना

भारत में नागरिकता साबित करने के दस्तावेज का सवाल

चाहिए था। नागरिकता पर बहस सबसे नाटकीय ढंग से असम में फिर उभरी। जहां एनआरसी सर्वे सिर्फ पहचान साबित करने की प्रक्रिया नहीं थीय यह राज्य में अवैध रूप से आकर बसने के इतिहास से जुड़ी नागरिकता की जांच–पड़ताल प्रक्रिया थी। 1985 के असम समझौते के तहत निवासियों को सबूत देना था कि वे या उनके पूर्वज 24 मार्च, 1971 से पूर्व भारत में मौजूद थे। सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में हुई इस प्रक्रिया में हजारों अधिकारी शामिल थे, करीब 1,500 करोड़ रुपए खर्च हुए और पांच साल चली। फिर भी, नतीजा बहुत विवादित रहा। 2019 में जारी अंतिम सूची से करीब 19 लाख आवेदक बाहर कर दिये। जो लोग एनआरसी की मांग कर रहे थे, उनके मुताबिक, इसमेंअभी भी अवैध प्रवासी ले लिये, जबकि बाहर किए कई लोगों का दावा था कि असली नागरिक छोड़ दिए। अंतिम आधिकारिक सूची अभी अधिसूचित नहीं की व अधर में है। तो यह प्रक्रिया विफल क्यों रही? इसका जवाब पुरानी तारीखों से नागरिकता साबित करने की जटिलता में छिपा है। लाखों आम भारतीयों कोदृ जैसे गरीब, प्रवासी, महिलाएं, भूमिहीन मजदूर और बाढ़ विस्थापित– दशकों पुराने दस्तावेजी सबूत पेश करने में मशक्कत करनी पड़ी। नाम में अंतर, रिकॉर्ड न मिलना या शादी के बाद नाम चेंज जैसी चीजों ने और मुश्किलें पैदा की। जब तीन करोड़ से ज्यादा लोगों से आधी सदी से पुराने रिकॉर्ड के जरिए नागरिकता साबित करने को कहा जाए तो त्रुटियां स्वाभाविक है। अक्सर दी जाने वाली

दलील कि पासपोर्ट या वोटर कार्ड जाली भी हो सकते हैं, लेकिन तब तो यह तर्क एनआरसी में जमा किए गए किसी भी दस्तावेज पर समान रूप से लागू होता है। जालसाजी का मुद्दा बेहतर जांच–पड़ताल वाली व्यवस्था बनाने की मांग करता है, न कि किसी दस्तावेज को खारिज करने की। असम का अनुभव एक बड़ा सवाल खड़ा करता हैरू अगर 3.3 करोड़ आबादी वाले एक राज्य में ही इतनी मुश्किलें आईं, तो क्या 145 करोड़ लोगों के साथ पूरे देश में ऐसी प्रक्रिया बिना बड़ी परेशानी संभव होगी? यहां सवाल सिर्फ प्रशासनिक नहींय जनता पर भरोसे का भी है। चुनाव आयोग में छह साल बिताने के बाद, मैं जानता हूं कि नागरिक किसी भी ऐसी प्रक्रिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हैं जिसे वे बोलिजल या खुद को बाहर कर दिए जाने वाली मानते हैं। मतदाता सूची के हालिया रश्पेकल इवेंट्सव रिविजनश से जुड़ विवाद यही दर्शाते हैं। लोगों को सत्यापन से दिक्कत नहीं। दिक्कत तब होती है जब बार–बार पुराने दस्तावेज दिखाने और दफ्तर –दफ्तर भागने को कहा जाये। साथ ही, नागरिकता से जुड़ी

किसी भी प्रक्रिया का विरोध तब होगा जब नागरिकों को लगेगा कि इसका मकसद चुनिंदा लोगों पर लागू करना या दंडित करना है। जनता को सुविधा मिले, न कि परेशानी। तो क्या भारत को नागरिकता का पक्के सबूत का विचार छोड़ देना चाहिए? कदापि नहीं। इसके लिए संसद ने पहले ही रास्ता दिखा रखा है। साल 2003 में संशोधित नागरिकता कानून में हर नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण, भारतीय नागरिकों का राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार करने और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने की बात कही गई है। संलग्न नियमों में, नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर बनाना, तदनुसार सत्यापन एवं एनआरसी तैयार करने का प्रावधान था।

सिद्धार्यनगर का सबसे बड़ा फ्रिंटींग पब्लिकेशन हाउस... डिजिटली पब्लिशिंग और डिजिटली प्रिंटिंग

बुद्ध पब्लिकेशन ऑफसेट एण्ड प्रिन्टर्स

जो.एस.टी. प्रिंट बुक/फार्म • कार्यालय रजिस्टर • स्कूल कॉपी/फार्म/अवरी • फफपेट • कार्ट पोस्टर • कार्ट डिजिटल कार्ड • डैक्ट लेट पेट • बैंक फार्म • डिजिटल • टीवी एक्सेस • बीगड मधुकरपुर • सिद्धार्यनगर (उ.प्र.)

☎ 8795951917, 9453824459

Address: 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137,

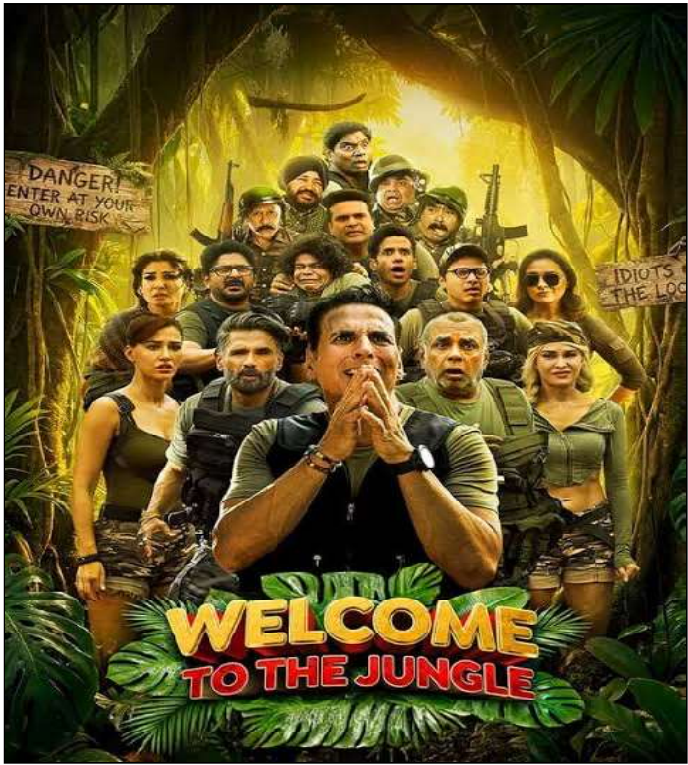
आईने के सामने खुद को देख रो पड़ती थीं अविका गौर, 13 किलो वजन घटाकर किया असली ट्रांसफॉर्मेशन

अभिनेत्री अविका गौर ने टीवी स्क्रीन पर मासूम आनंदी बनकर घर-घर में पहचान बनाई, लेकिन एक समय उन्हें अपनी जिंदगी में खुद से लड़ाई लड़नी पड़ी थी। वह आईने में खुद को देखकर



रो पड़ती थीं। मुंबई में जन्मी अविका गौर ने बहुत छोटी उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया। 2007 में उन्होंने शरश्श..कोई है से छोटे रोल के जरिए टीवी डेब्यू किया, लेकिन असली पहचान उन्हें 2008 में आए शो बालिका वधू से मिली। इस शो में उन्होंने छोटी आनंदी का किरदार निभाया, जो एक बाल विवाह की कहानी पर आधारित था। उनके मासूम अभिनय ने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और वह बहुत जल्दी घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद अविका ने ससुराल सिमर का में रोली का किरदार निभाया, जिसमें उन्होंने एक शादीशुदा लड़की की भूमिका निभाई। यह रोल उन्होंने सिर्फ 14 साल की उम्र में किया था। इस शो ने भी उन्हें काफी लोकप्रियता दिलाई। इसमें उनकी और अभिनेता मनीष रायसिंघन की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। टेलीविजन की सफलता के बाद अविका ने फिल्मों की ओर रुख किया। उन्होंने 2009 में मॉर्निंग वॉक और पाठशाला जैसी फिल्मों में काम किया। इसके बाद 2013 में तेलुगु फिल्म उय्याला जम्पला से उन्होंने लीड एक्ट्रेस के तौर पर डेब्यू किया, जिसके लिए उन्हें एसआईआईएमए अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू मिला। यह उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई। एक समय ऐसा भी आया जब अविका अपने शरीर और आत्मविश्वास को लेकर संघर्ष कर रही थीं। उन्होंने खुद बताया था कि एक समय वह आईने में खुद को देखकर टूट गई थीं और रो पड़ी थीं। उन्हें अपना बढ़ा हुआ वजन और बदलता लुक स्वीकार करना मुश्किल लग रहा था। इस मानसिक संघर्ष ने उनकी सोच को बदल दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी जिंदगी को बदलने का फैसला किया। उन्होंने हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाया, नियमित वर्कआउट शुरू किया और अपनी डाइट पर ध्यान देना शुरू किया। इस बदलाव के जरिए उन्होंने करीब 13 किलो वजन कम किया और खोया हुआ आत्मविश्वास वापस पाया। उन्होंने कहा था कि पहली बार उन्होंने खुद को वैसे स्वीकार करना सीखा जैसा वह हैं। इसी बीच अविका ने रियलिटी शोज जैसे खतरों के खिलाड़ी 9 और दूसरे टीवी प्रोजेक्ट्स में भी हिस्सा लिया। उन्होंने 1920रू हॉर्स ऑफ द हार्ट जैसी फिल्मों में भी काम किया, जिसमें वह लीड रोल में नजर आईं। अपने करियर में अविका गौर ने कई अवॉर्ड्स हासिल किए, जिनमें आईटीए सर्टिफिकेट और एसआईआईएमए अवॉर्ड शामिल हैं।

वेलकम टू द जंगल ने चौथे दिन की बंपर कमाई, 100 करोड़ के पार पहुंचा वर्ल्डवाइड कलेक्शन



अहमद खान निर्देशित वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म वेलकम टू द जंगल साल की मच अवेटेड फिल्म थी. इसने 26 जून को सिनेमाघरों में दस्तक दी और इसे मिले-जुले रिव्यू को बावजूद फैंमिली ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला. दरअसल अक्षय कुमार की 30 कलाकारों से सजी ये कॉमेडी फिल्म अपनी नॉस्टैल्जिक अपील के दम पर बॉक्स ऑफिस पर बवाल काट रही है.. इसी के साथ ओपनिंग वीकेंड पर गर्वा उड़ाने के बाद इसने न केवल मंडे टेस्ट पास किया बल्कि वर्ल्डवाइड एक बड़ा मील का पत्थर भी पार कर लिया. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के चौथे दिन दुनियाभर में कितना कलेक्शन किया है और क्या उपलब्धि हासिल की है.

अक्षय कुमार की नई कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल ने रिलीज के सिर्फ चार दिनों में ही दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. सोमवार को इसकी कमाई में गिरावट आने के उसके बावजूद इसने सिनेमाघरों में अच्छा परफॉर्म किया. दरअसल रविवार को इसकी कमाई में जबरदस्त उछाल आया था. जिससे इसने सोमवार से पहले ही आसानी से दुनिया भर में 90 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई कर डाली थी. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो

सैकनलिक की रिपोर्ट के मुताबिक चौथे दिन, वेलकम टू द जंगल (वेलकम 3) ने 10 हजार 922 शो में भारत में 8.50 करोड़ का नेट कलेक्शन किया.

इससे भारत में इसकी कुल नेट कमाई 72.25 करोड़ और कुल ग्रॉस कलेक्शन 86.53 करोड़ हुआ. वहीं विदेशों में, फिल्म ने चौथे दिन 3.00 करोड़ कमाए, जिससे इसका कुल ओवरसीज ग्रॉस कलेक्शन 19.95 करोड़ हो गया है. इस तरह, फिल्म का दुनिया भर में कुल ग्रॉस कलेक्शन 106.48 करोड़ तक पहुंच गया है.

वेलकम टू द जंगल अक्षय कुमार की टॉप 10 फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है. इसने एक्टर की सम्राट पृथ्वीराज (90.24 करोड़) के वर्ल्डवाइड लाइफटाइम कलेक्शन को मात दे दी है. और कोविड के बाद के दौर में अक्षय कुमार की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 9वीं फिल्म बन गई है. इब इसके निशाने पर बड़े मियां छोटे मिया के 111.64 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को मात देना है. 5 करोड़ और कमाते ही फिल्म ये बड़े मिया छोटे मिया को पछाड़ देगी और अक्षय की 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन जाएगी. उम्मीद है कि मंगलवार को फिल्म ये उपलब्धि हासिल कर लेगी.

अक्षय कुमार की फैंमिली एंटरटेनर वेलकम टू द जंगल में सुनील शेट्टी, परेश रावल, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिज, रवीना टंडन, लारा दत्ता, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी और जैकी श्रॉफ सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

कैरी ऑन जट्टा 4 ने मंडे टेस्ट किया पास, कॉकटेल 2 का दम बरकरार, मां इति बंगारम और मैं वापस आऊंगा ने भी बनाए रखा दबदबा



पंजाबी सिनेमा की लोकप्रिय फिल्म श्रृंखला कैरी ऑन जट्टा की चौथी कड़ी कैरी ऑन जट्टा 4 बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल, सरगुन मेहता और बिन्नु ढिल्लों अभिनीत इस फिल्म ने सप्ताह के पहले कार्यदिवस यानी सोमवार की परीक्षा भी सफलतापूर्वक पार कर ली है। अन्य बड़ी फिल्मों से मुकाबले के बावजूद दर्शकों का अच्छा समर्थन मिलने से फिल्म की कमाई लगातार बढ़ रही है।

रिलीज के शुरुआती तीन दिनों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद सोमवार को फिल्म की कमाई में सामान्य गिरावट दर्ज की गई, लेकिन इसके बावजूद फिल्म ने संतोषजनक कारोबार किया। ट्रेड रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ने रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को करीब 1.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही चार दिनों में फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस संग्रह 9.20 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना अभिनीत कॉकटेल 2 दूसरे सप्ताहांत में भी शानदार प्रदर्शन करने में सफल रही। फिल्म ने दूसरे शनिवार को 4.25 करोड़ रुपये और रविवार को 4.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

सोमवार को कमाई में सामान्य गिरावट के बावजूद फिल्म ने 1.75 करोड़ रुपये का संग्रह किया। इसके साथ ही रिलीज के 11 दिनों में फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 84.89 करोड़ रुपये पहुंच गया है। फिल्म तेजी से 100 करोड़ रुपये के क्लब की ओर बढ़ रही है।

सामंथा रूथ प्रभु अभिनीत मां इति बंगारम भी दर्शकों की पसंद बनी हुई है। फिल्म ने पहले सप्ताह में 33.70 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इसके बाद दूसरे सप्ताहांत में भी इसकी कमाई मजबूत रही।

दूसरे सोमवार को फिल्म ने 1.60 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिससे इसका 11 दिनों का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 49.85 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म जल्द ही 50 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार करने की ओर बढ़ रही है।

निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा तीसरे सप्ताह में भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है। नई फिल्मों की रिलीज के बावजूद फिल्म ने अपनी पकड़ बनाए रखी है। रिलीज के 18वें दिन यानी तीसरे सोमवार को फिल्म ने 1.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस संग्रह 47.80 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

अल्फा को सेंसर बोर्ड ने दी हरी झंडी, अलिया भट्ट की मूवी को मिला यूए16 सर्टिफिकेट



बॉलीवुड एक्ट्रेस अलिया भट्ट और शरवरी वाघ की फिल्म अल्फा का अच्छा खासा बज बना हुआ है। एक्शन और स्पाई फिल्म ऐल्फा का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ, जिसे देखकर लोग 7 वें आसमान पर पहुंच गए। अल्फा पर सभी की नज़रें टिकी हुई है। फिल्म में बाँबी देओल और अनिल कपूर भी अपने अभिनय का जलवा बिखेरने

वाले हैं। इस बीच ऐल्फा को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। नई रिपोर्ट के मुताबिक सेंसर बोर्ड ने ऐल्फा को हरी झंडी दे दी है। बॉलीवुड एक्ट्रेस अलिया भट्ट और शरवरी की आने वाली फिल्म अल्फा रिलीज से पहले ही चर्चा में है। यशराज फिल्मस के स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने यूए 16 सर्टिफिकेट दिया है। शिव रवेल के निर्देशन में बनी यह फिल्म 3 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के टीजर और ट्रेलर में अलिया भट्ट पहली बार दमदार एक्शन अवतार में नजर आईं, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हुई। सीबीएफसी ने फिल्म को 2 घंटे 20 मिनट (140 मिनट) की रनटाइम के साथ मंजूरी दी है। सीबीएफसी की वेबसाइट पर फिल्म की कहानी की एक झलक भी सामने आई है। इसके मुताबिक, अलिया भट्ट का किरदार सीता बदले की आग में जलती एक ऐसी लड़की है, जो अपने रास्ते में आने वाले हर व्यक्ति को खत्म करने के लिए तैयार रहती है। लेकिन सफर के दौरान उसे अपनी जिंदगी से जुड़े कई बड़े राज पता चलते हैं। कहानी में सीता को निडर, सख्त और किसी भी हद तक जाने वाली लड़की के रूप में दिखाया गया है। बताते चलें कि फिल्म ऐल्फा के टीजर और ट्रेलर को अब तक मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है। अब देखना होगा कि यह फैसला कितना सफल साबित होता है। बॉक्स ऑफिस पर ऐल्फा को वेलकम टू द जंगल से कड़ी टक्कर मिलेगी, जबकि 10 जुलाई को रिलीज होने वाली धमाल 4 भी इसकी चुनौती बढ़ा सकती है।

क्या आप सुबह अलार्म बजने से पहले उठ जाते हैं? जानिए इसके कारण



कई लोग सुबह अलार्म बजने से पहले उठ जाते हैं, जबकि कुछ लोग अलार्म बजने के बाद भी उठने के लिए जूझते रहते हैं। अगर आप सुबह जल्दी उठने वालों में से एक हैं तो इसका कारण आपका शरीर और मन हो सकता है। यह एक अच्छी आदत है और इससे आपका दिन बेहतर ढंग से शुरू हो सकता है। आइए जानते हैं कि सुबह अलार्म से पहले उठने के पीछे का कारण क्या है।

शरीर की आंतरिक घड़ी आपके शरीर की अपनी एक आंतरिक घड़ी होती है, जिसे जैविक घड़ी कहा जाता है। यह घड़ी आपको बताती है कि कब सोना है और कब उठना है। अगर आप हर दिन एक ही समय पर सोते और उठते हैं तो आपका शरीर इस समय को पहचान लेता है और खुद-ब-खुद उसी समय पर जागने की आदत डाल लेता है। इससे आप बिना अलार्म के भी आसानी से उठ जाते हैं।

सोने की आदत बनाना अगर आप नियमित रूप से एक ही समय पर सोते हैं तो आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। इससे नींद गहरी होती है और आप सुबह तरोताजा महसूस करते हैं। इसके अलावा एक निश्चित समय पर सोने से आपका शरीर आराम महसूस करता है और सुबह उठने में कोई दिक्कत नहीं होती। यह आदत आपके शरीर को जैविक घड़ी के अनुसार काम करने में मदद करती है, जिससे आप बिना अलार्म के भी जल्दी उठ जाते हैं।

प्राकृतिक रोशनी का महत्व सुबह की पहली किरण आपके शरीर को बताती है कि दिन शुरू हो गया है। अगर आप अपने कमरे में सुबह की रोशनी आने दें तो आपका शरीर खुद-ब-खुद जाग जाएगा। इसके लिए आप पर्दे हटाकर खिड़की खोल सकते हैं या फिर प्राकृतिक रोशनी आने वाली जगह पर सोने की कोशिश कर सकते हैं। इससे आपका शरीर जैविक घड़ी के अनुसार काम करेगा और आप बिना अलार्म के भी जल्दी उठ जाएंगे।

मानसिक तैयारी अगर आप रात को सोने से पहले यह सोच लें कि सुबह उठकर क्या करना है तो आपका मन पहले से ही तैयार हो जाता है। इससे आप सुबह उठते ही अपने कामों में लग जाते हैं और आलस्य नहीं आता। इसके अलावा आप अपने दिमाग को शांत रखने के लिए ध्यान या सांस लेने के अभ्यास भी कर सकते हैं, जिससे आप तरोताजा महसूस करेंगे और उठते ही सक्रिय हो जाएंगे।

स्वस्थ जीवनशैली: स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से भी सुबह जल्दी उठने में मदद मिलती है। इसके लिए आपको संतुलित भोजन, नियमित कसरत और पर्याप्त पानी पीना चाहिए। इसके अलावा तनाव मुक्त रहने के लिए योग या ध्यान कर सकते हैं। इन सभी तरीकों से आप आसानी से अपनी सुबह की दिनचर्या को बेहतर बना सकते हैं और बिना अलार्म के भी जल्दी उठ सकते हैं। रात को जल्दी सोने से भी सुबह जल्दी उठना आसान हो जाता है।